पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राजभवन में पूर्व राज्यपाल टी0वी0 राजेस्वर की शोक सभा का आयोजन
राज्यपाल श्री नाईक सहित अन्य अधिकारियों ने अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की

लखनऊ 16 जनवरी, 2018

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज राजभवन में आयोजित एक शोक सभा में पूर्व राज्यपाल स्व0 टी0वी0 राजेस्वर को अपनी एवं प्रदेश की जनता की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोक प्रस्ताव पढ़ा। शोक सभा में प्रमुख सचिव श्री राज्यपाल सुश्री जूथिका पाटणकर, जल निगम के अध्यक्ष एवं पूर्व प्रमुख सचिव श्री राज्यपाल श्री जी0 पटनायक, सचिव श्री चन्द्र प्रकाश सहित राजभवन के समस्त अधिकारी, कर्मचारी तथा सुरक्षा कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन रखकर स्व0 टी0वी0 राजेस्वर की आत्मा की शांति की कामना की। पूर्व राज्यपाल स्व0 टी0वी0 राजेस्वर के प्रति शोक प्रकट करने हेतु राजभवन में झण्डा आधा झुका रहा।

ज्ञातव्य है कि 14 जनवरी, 2018 को श्री टी0वी0 राजेस्वर का निधन दिल्ली में हुआ था तथा नई दिल्ली के लोधी रोड़ स्थित विद्युत शवदाह गृह में आज उनका अंतिम संस्कार किया गया। श्री नाईक ने उनके परिजनों से दूरभाष पर वार्ता करके सांत्वना भी दी।

राज्यपाल ने अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि श्री राजेस्वर एक अनुशासन प्रिय तथा अपने दायित्वों के प्रति सजग राज्यपाल थे। उनकी विशिष्ट कार्यशैली थी तथा उन्हें प्रशासनिक कार्य का लम्बा अनुभव था। श्री टी0वी0 राजेस्वर ने 8 जुलाई, 2004 से 27 जुलाई, 2009 तक उत्तर प्रदेश के राज्यपाल पद के दायित्व का निर्वहन किया था। श्री राजेस्वर 1949 बैच के आई0पी0एस0 अधिकारी थे जो इन्टेलीजेंस ब्यूरो के निदेशक भी रहे। उन्होंने 1983 में अरूणांचल प्रदेश के उप राज्यपाल, 1985 में सिक्किम के राज्यपाल तथा 1989 में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल पद का दायित्व संभाला। श्री राजेस्वर राज्यपाल पद का दायित्व संभालने वाले प्रथम आई0पी0एस0 अधिकारी थे। उन्हें वर्ष 2012 में पद्म विभूषण से अलंकृत किया गया था। श्री नाईक ने कहा कि उन्होंने अपने अनुभव से समय-समय पर उत्तर प्रदेश का मार्गदर्शन किया लो लम्बे समय तक याद रहेगा।

स्व0 राजेस्वर के साथ कार्य कर चुके श्री जी0पटनायक ने अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुये कहा कि उन्हें वह दिन याद है जब इसी गांधी सभागार में श्री राजेस्वर ने राज्यपाल पद की शपथ ली थी और आज इसी सभागार में उनकी श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गयी है। श्री राजेस्वर के साथ काम करके उन्हें बहुत कुछ सीखने को मिला। वे एक अनुशासन प्रिय एवं नर्मदिल व्यक्ति थे।

शोक सभा में राजभवन के सहायक निदेशक सूचना श्री अंजुम नकवी ने भी श्री राजेस्वर के साथ के अपने अनुभवों को साझा करते हुए उनकी कार्यशैली के बारे में बताया।

अंजुम/ललित/राजभवन (22/22)